पर्वतीय क्षेत्र के किसानों को मिले तकनीक का लाभ

विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान हवालबाग में खरीफ किसान मेले में जिलाधिकारी ने विज्ञानियों के कार्यों को सराहा

आयोजन

अल्मोड़ा के विवेकानंद कृषि अनुसंधान केंद्र हवालबाग में शुक्रवार को किसान मेले का उद्घाटन करती जिलाधिकारी वंदना (बाएं) । अल्मोड़ा के विवेकानंद कृषि अनुसंधान केंद्र हवालबाग में किसान मेले में उपस्थित काश्तकार • जागरण

जागरण संवाददाता, अल्मोड़ा : विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान खरीफ किसान मेले में संस्थान के विज्ञानियों से काश्तकारों को विकसित तकनीक का लाभ देकर कृषि उत्पादन को दोगुना करने की बात कही गई। ताकि पहाड़ी क्षेत्र में भी कृषि के प्रति रुझान बढ़ सके।

शुक्रवार को कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी वंदना ने किया। उन्होंने पर्वतीय कृषि पर किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना की। कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में किसान समेकित खेती कर अधिक आय अर्जित कर सकते है। सामूहिक खेती को प्रोत्साहन देकर अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संस्थान के विज्ञानी विकसित बीजों एवं तकनीकों को अधिक से अधिक प्रयोगशाला से खेत तक ले जाने में राज्य सरकार के कृषि एवं अन्य रेखीय विभागों को अपना सहयोग दें। ताकि कृषक इन तकनीकों से लाभान्वित हो सकें। पर्वतीय महिलाओं की चारा एवं ईंधन इकट्ठा करने की समस्या के मद्देनजर उन्होंने संस्थान से ऐसा यंत्र विकसित करने को कहा, जिससे श्रम को कम किया जा सके। नगर पालिकाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र जोशी ने संस्थान के विज्ञानियों की सराहना कर किसानों की आय दोगुनी करने की बात कही। मेले के दौरान प्रगतिशील किसान महेन्द्र कुमार, पंकज सिंह बिष्ट, नंदन प्रकाश, उमा भट्ट, दिगा राम को पुरस्कृत किया गया। संस्थान में चल रही अनुसूचित जाति एवं जनजाति परियोजनों के तहत पौड़ी गढ़वाल के कृषकों को लघु कृषि यंत्र एवं एग्रीकनन गन का वितरण किया गया।

600 काश्तकारों ने लिया भाग

अल्मोड़ा : किसान मेले में उत्तराखड के विभिन्न क्षेत्रों से आए 600 से अधिक कृषकों ने प्रतिभाग किया। मेले में 30 प्रदर्शनियां लगी हैं। कृषकों ने अपने अनुभव साझा किए गए। किसान मेले में कृषक गोष्ठी का संचालन डा. बीएम पांडे, डा. कुशाग्रा जोशी, डा. जेके बिष्ट, डा. रमेश सिंह पाल आदि कई वैज्ञानिक व काश्तकार मौजूद थे।

अल्मोड़ा के हवालबाग में किसान मेले में अपने उत्पादों को दिखाते बागेश्वर जिला के चौरसो निवासी प्रगतिशील काश्तकार चंद्रशेखर पांडे • जागरण

धान की विकसित दो प्रजातियों का लोकार्पण

जागरण संवाददाता, अल्मोड़ा : विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान खरीफ किसान मेले में विवेकानद पर्वतीय कृषि अनुसंधान केंद्र में विकसित दो धान प्रजातियों वीएल 159 व वीएल 88 का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, बागेश्वर की एनआईसीआरए (निका) परियोजना का शुभारंभ भी किया गया। संस्थान के निदेशक डा. लक्ष्मी कांत ने बताया कि अभी तक संस्थान द्वारा विभिन्न फसलों की 175 प्रजातियों विकसित की गयी है। जो राज्य एवं केन्द्र स्तर पर विमोचित एवं अधिसूचित है। इसके अलावा संस्थान में विकसित अन्य तकनीकियों, जैसे विशिष्ट फसल प्रजातियों, रोग एवं कीट प्रबन्धन, पालीहाउस, पालीटेक एवं विभिन्न लघु कृषि यंत्रों के बारे में जानकारी दी।